नईदुनिया

बच्चे को पितृत्व विवाद में जैविक पिता की पहचान का अधिकार है

दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ, न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने रवि कुमार बनाम गीता देवी एवं अन्य की याचिका में पितृत्व विवाद के मामले में डीएनए परीक्षण के आदेश को बरकरार रखा है।

पीठ का मानना है कि बच्चे को यह जानने का अधिकार है कि उसके जैविक पिता कौन हैं। इसे 'सत्य जानने का अधिकार' तथा 'बच्चे के हित सर्वोपरि' के सिद्धांत से जोड़ा गया है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि जब किसी मामले में बच्चे की जैविक पहचान और पितृत्व का प्रश्न सीधे तौर पर विवाद का विषय हो, तब कथित पिता की सामाजिक प्रतिष्ठा या व्यक्तिगत असहजता के आधार पर डीएनए परीक्षण से इनकार नहीं किया जा सकता।

पीठ ने कहा कि न्याय का उद्देश्य बच्चे के उन अधिकारों की रक्षा करना है, जिनके तहत वह अपने जैविक पिता की पहचान जानना चाहता है और उससे जुड़े कानूनी अधिकारों का दावा करता है। याचिका में भरण-पोषण के अधिकार के निर्धारण के लिए जैविक पिता की पहचान का विवाद था। याचिकाकर्ता की पहली पत्नी से तीन बच्चे थे। बाद में उसने दूसरा विवाह कर

जी. के. छिब्बर

लिया और पहली पत्नी के बच्चों का जैविक पिता होने से इनकार कर दिया। जबकि बच्चों के साथ जन्मदिन समारोह के फोटो, स्कूल के फोटो, पूरे परिवार के चित्र तथा पहचान संबंधी दस्तावेज उपलब्ध थे। ऐसी स्थिति में परिवार न्यायालय ने डीएनए परीक्षण की अनुमति दी थी, जिसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी।

न्यायिक निर्णय क्या कहते हैं

बच्चे का अधिकार बनाम निजता : सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने कहा है कि डीएनए परीक्षण एक संवेदनशील प्रक्रिया है। बच्चे का हित सर्वोपरि है, लेकिन निजता के अधिकार का भी सम्मान आवश्यक है। इसलिए दोनों के बीच संतुलन बनाया जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने भी कहा है कि 'निजता का अधिकार बच्चे के अधिकार और उसके हितों पर हावी नहीं हो सकता।'

कब आदेश होता है : न्यायालय प्रत्येक मामले में डीएनए परीक्षण का आदेश नहीं देता। केरल उच्च न्यायालय ने कहा है कि केवल संदेह के आधार पर नहीं, बल्कि 'दुर्लभ और असाधारण मामलों' में, जब विवाद के समाधान के लिए परीक्षण अपरिहार्य हो, तभी इसका आदेश दिया जाएगा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी कहा है कि प्रथम दृष्टया मजबूत मामला बनने पर ही डीएनए परीक्षण का आदेश दिया जा सकता है।

इंकार का असर : किसी व्यक्ति को जबरन डीएनए परीक्षण के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, लेकिन यदि वह परीक्षण से इनकार करता है तो न्यायालय उसके विरुद्ध प्रतिकूल निष्कर्ष निकाल सकता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तो यहां तक कहा कि 'या तो भरण-पोषण दो या डीएनए परीक्षण कराओ।'

नए कानून का संदर्भ : 1 जुलाई, 2024 से लागू भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 116 के अनुसार वैध विवाह के दौरान जन्मा बच्चा पति का ही माना जाएगा, जब तक कि सुसंगत साक्ष्यों से इसके विपरीत सिद्ध न हो जाए।

इस निर्णय का मतलब

1. पहचान का अधिकार : बच्चा वयस्क होने पर भी अपनी पैतृकता जानने के लिए न्यायालय जा सकता है। न्यायालय ने कहा, 'वादी, जो स्वयं बच्चा है, का अपनी पैतृकता जानने का अधिकार है। न्याय के लिए यह आवश्यक है कि सत्य सामने आए।'

2. भरण-पोषण और अन्य अधिकार : पितृत्व स्पष्ट होने से बच्चे को भरण-पोषण, नाम, संपत्ति तथा अन्य कानूनी अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। न्यायालय ने कहा कि भरण-पोषण से इनकार करना बच्चों के बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा।

3. मिलने का अधिकार भी : दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक अन्य मामले में कहा था कि तीन वर्ष से कम आयु के बच्चे को भी 'मानित पिता' से मिलने का अधिकार है, क्योंकि माता-पिता दोनों का स्नेह बच्चे के समुचित विकास के लिए आवश्यक है।

संक्षेप में : दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि डीएनए परीक्षण 'फिशिंग इन्क्वायरी' के लिए नहीं, बल्कि उन मामलों में आवश्यक है, जहां बच्चे की पहचान, पितृत्व या भरण-पोषण का वास्तविक और गंभीर विवाद हो।

कोच फैक्ट्री में गूंजी पद्मश्री स्व. डॉ. बशीर बद्र की शायरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पश्चिम मध्य रेल के सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण में 'एक शाम पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र के नाम' साहित्यिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन कारखाना के प्रशासनिक भवन स्थित सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर सोहन सिंह परमार ने की, जबकि प्रख्यात साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कारखाना की सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों ने संगीतमय सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी तथा सहायक कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस साहित्यिक संध्या में कारखाना के नौ रेल कवियों बी.एन. तिवारी, संत कुमार मालवीय, नीतिराज चौरे, अखिलेश लोधी, नमन चौकसे, पंकज दमाड़े, अनिल कुमार साकेत, आशीष कुमार गुप्ता तथा सुश्री जयश्री ठाकुर ने पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की प्रसिद्ध ग़ज़लों को अपनी मधुर आवाज़ में प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने अपनी मौलिक रचनाओं का भी प्रभावशाली पाठ किया। ग़ज़लों, गीतों, पैरोडी तथा हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को बशीर बद्र की साहित्यिक विरासत के रंग में रंग दिया और श्रोताओं को देर तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में सोहन सिंह परमार ने कहा, 'हिंदी हमारी माँ है तो उर्दू हमारी मासी (मौसी) है, और मासी का अर्थ भी माँ जैसी ही होता है।' उन्होंने कहा कि संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 मान्यता प्राप्त भाषाएँ हमारी साझा सांस्कृतिक धरोहर हैं तथा प्रत्येक भाषा सम्मान की पात्र है। उन्होंने सभी से दैनिक सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का आह्वान भी किया।

मुख्य अतिथि घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने अपने उद्बोधन में पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र से जुड़ी व्यक्तिगत मुलाकातों और संस्मरणों को साझा करते हुए उनकी सादगी, मानवीय संवेदनशीलता तथा देशप्रेम के प्रेरक प्रसंग सुनाए। उनके वक्तव्य ने उपस्थित साहित्य प्रेमियों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम में अक्षय गंगरवाल (कार्य प्रबंधक-यांत्रिक), शिवम असाटी (कार्य प्रबंधक-विद्युत), आशीष कुमार झारिया (कार्य प्रबंधक), आर.के. उपाध्याय (एसीएमटी), रमेश कुमार रंगा (सहायक सामग्री प्रबंधक) सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का छायांकन रामगोपाल आठनेरे ने किया। समापन अवसर पर अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि का शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ ग़ज़लकार एवं गीतकार बी.एन. तिवारी ने किया, जबकि अंत में संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा ने अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, रेल कवियों तथा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्कृत रंगमंच लोकमंगल का सशक्त माध्यम : प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नाट्यशास्त्र अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र, भोपाल परिसर में 21 दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत रूपक निर्देशन कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत नाटक समाज के विविध पक्षों को उजागर करते हैं तथा संस्कृत रंगमंच विश्व के लिए आदर्श है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के समाधान में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

विशिष्ट अतिथि रीता वर्मा ने कहा कि कार्यशाला से देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों को संस्कृत रंगमंच की महत्वपूर्ण विधाओं का ज्ञान मिलेगा।

प्रो. रामकुमार शर्मा ने भरतमुनि की नाट्य परंपरा को विश्व के लिए मार्गदर्शक बताया। अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने कहा कि विश्वविद्यालय संस्कृत रंगमंच के माध्यम से नए रंगकर्मी और अभिनेता तैयार करेगा। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार, सरस्वती वंदना तथा वेणु वादन की प्रस्तुति भी दी गई।

तकनीकी प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा और नवाचार के जरिए सामाजिक परिवर्तन की पहल

युवाओं को आत्मनिर्भरता और रोजगार से जोड़ा जा रहा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भारत में शिक्षा और तकनीक को गांवों तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने की दिशा में आईसेक्ट इंडिया ने चार दशकों की महत्वपूर्ण यात्रा पूरी की है।

वर्ष 1985 में वरिष्ठ शिक्षाविद्, साहित्यकार और चिंतक संतोष चौबे द्वारा स्थापित संस्था का उद्देश्य शिक्षा, तकनीक और कौशल विकास के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक अवसर पहुंचाना था।

वर्ष 1986 में भोपाल में पहला प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर संस्था ने ग्रामीण युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की शुरुआत की। स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें प्रशिक्षक बनाने की पहल से रोजगार, नेतृत्व और आत्मविश्वास के नए अवसर विकसित हुए।

वर्ष 1995 में संस्था ने बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्रों की अवधारणा को आगे बढ़ाया, जहां शिक्षा के साथ कौशल प्रशिक्षण, रोजगार मार्गदर्शन और सामुदायिक विकास को जोड़ा गया। वर्ष 2003 में आईसेक्ट लिमिटेड की स्थापना के बाद शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक व्यापक स्वरूप मिला।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी

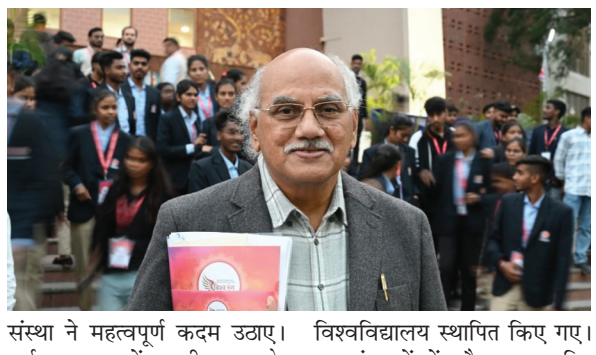

संस्था ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। वर्ष 2005 में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके बाद भोपाल, झारखंड, बिहार और मध्य प्रदेश में कई विश्वविद्यालय स्थापित किए गए। इन संस्थानों में कौशल आधारित शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया।

डिजिटल तकनीक के विस्तार के साथ आईसेक्ट इंडिया ने आधुनिक सुविधाओं और प्रशिक्षण को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया। संस्था का मानना है कि शिक्षा को समाज की आवश्यकताओं से जोड़कर ही वास्तविक परिवर्तन संभव है।

वर्ष 2026 में आईसेक्ट इंडिया के रूप में नई पहचान अपनाना इसी विकास यात्रा का अगला चरण है। संस्था अब शिक्षा, कौशल, नवाचार और डिजिटल सशक्तीकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

सूडोकु नवताल- 7834

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7833 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

काकुरो पहेली - 7507

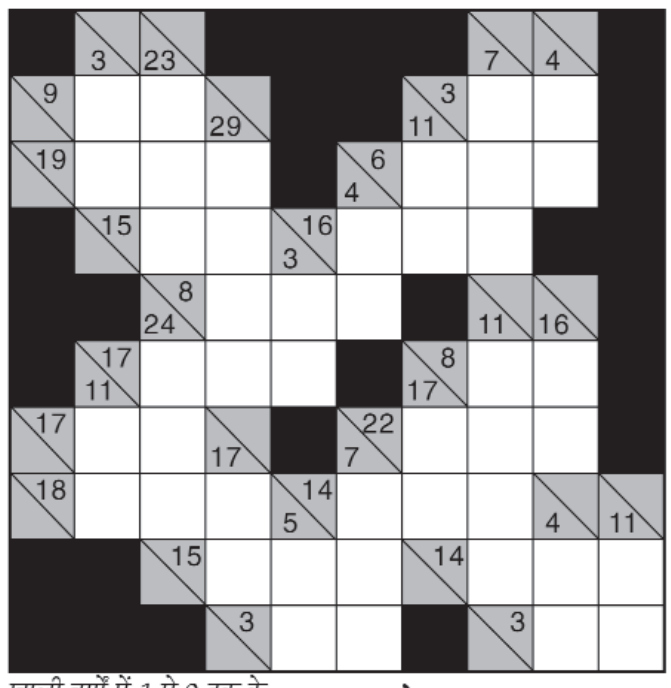

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

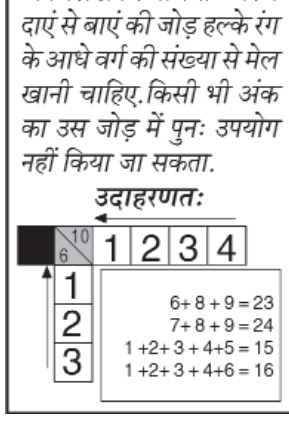

काकुरो - 7506 का हल

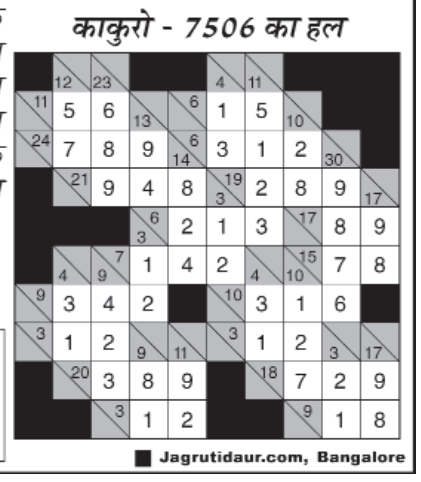

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8904

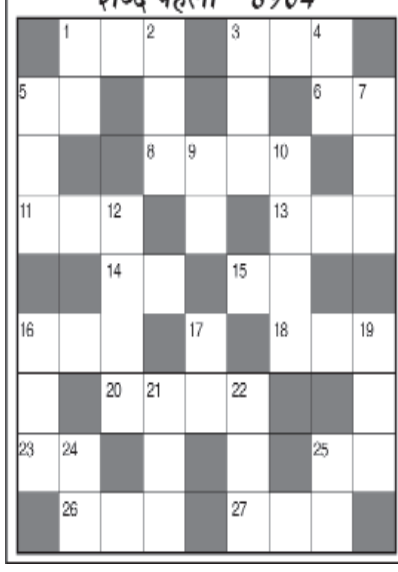

बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइन-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

शब्द पहेली -8903 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7346

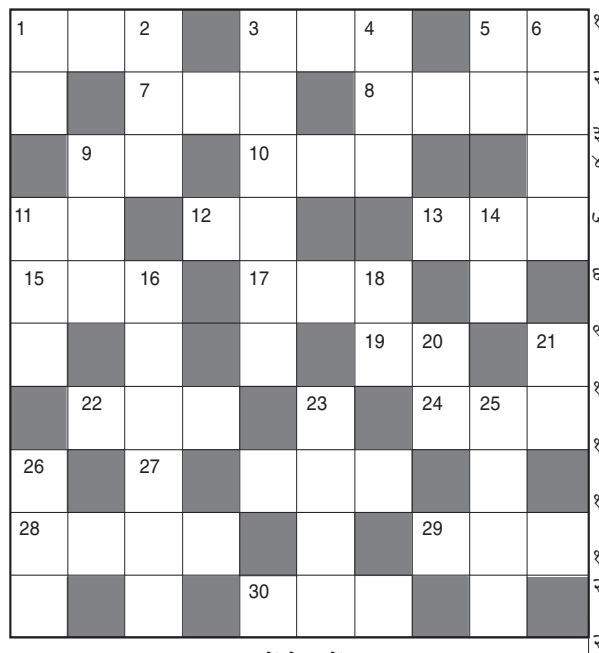

ऊपर से नीचेः-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायेंः-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7345

श	हु	ल		ना		गै	ब	ल	र
जा			घा	य	ल		द		न
औ	ला	द		ब	गा	व	त		
र		स	त्या		न		मी	ना	क्षी
रं	गी	ला		टी		अ	ज	य	
क		ख	ल	ना	य	क		क	था
	दो		की			ल	क्ष्य		ने
खू	ब	सू	र	त		मं		दा	दा
	द			ला		द	स		र
डॉ	न		रे	श	नी		नी	तू	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 7440

2	3		4		6	7
	30	6	34	2	31	3
5	1	7		6	2	
6	30		33		34	5
	5	2		7	1	6
7	35	4	35		28	
4	7		6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 7439 का हल

4	7	5	6	3	2	1
1	31	2	38	6	28	3
5	1	6	3	7	2	4
6	36	3	33	1	28	5
3	5	7	4	2	1	6
7	32	4	31	4	33	2
2	3	1	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 8460

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फ्रा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद.

शब्दजाल - 8459 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore